International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science (IJEMMASSS)
ISSN : 2581-9925, Impact Factor: 7.150, Volume 06, No. 03(I), July - September, 2024, pp. 41-46

मध्य प्रदेश के आर्थिक विकास में पर्यटन उद्योगों में भूमिका का विश्लेषणात्मक अध्ययन

लखन लाल चौकसे*

सार

विश्व के सभी देशों में पर्यटन को तेज गति से विस्तार मिल रहा है। भारत के पर्यटन मानचित्र पर मध्यप्रदेश एक उभरता हुआ राज्य है। मध्यप्रदेश का प्राकृतिक सौन्दर्य विलक्षण है। यहॉ के प्राकृतिक, धार्मिक, पुरातात्विक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व के स्थल पर्यटकों को स्वाभाविक रुप से आकर्षित करते है। मध्यप्रदेश सांस्कृतिक रुप से भी समृद्ध राज्य है। मध्यप्रदेश राज्य में पर्यटन के विकास के लिए राज्य निर्माण के बाद से बहुत तेजी से काम हुए है। मध्यप्रदेश अपने आप में पर्यटन के क्षेत्र में समृद्धि की ओर बढता हुआ राज्य है। यहॉ ऐतिहासिक, पुरातात्विक, धार्मिक, औघोगिक केन्द्र, प्राकृतिक सौंदर्य राष्ट्रीय उघान एवं वन्य प्राणी अभ्यारण के साथ–साथ गौरवशाली आदिम संस्कृति का अद्वितीय उदाहरण देखने को मिलता है। मध्यप्रदेश एक विकासोन्मुख राज्य है, जहॉ की अर्थव्यवस्था में पर्यटन उघोग की विशेष भूमिका है। राज्य में समस्त प्रकार के पर्यटन स्थल प्रचुर मात्रा में अवस्थित है तथा इनके विकास और विस्तार की आवश्यकता है।

शब्दकोश: *पर्यटन, सकल घरेलू उत्पाद, विनियोग, विदेशी मुद्रा अजन, रोजगार सृजन।*

प्रस्तावना

पर्यटन क्षेत्र राज्य की आर्थिक समृद्धि और रोजगार सृजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पर्यटन देश का वृहद सेवा उघोग है। यह एक महत्वपूर्ण सेवा उन्मुखी क्षेत्रक है जो सकल राजस्व और विदेशी मुद्रा के अर्जन की दृष्टि से त्वरित विकास करता है। यह सेवा प्रदाताओं का समिश्रण है। सरकारी और निजी दोनों की इसमें संयुक्त सेवा है। जिसमें यात्रा एजेंट और संचालक,हवाई, भू और समुद्री परिवहन, गाइड हॉटलों के मालिक, अतिथि गृह ,रेस्तरां, और दुकाने शामिल है। पर्यटन किसी राज्य में रहने वाले लोगों के जीवन स्तर तथा रहन–सहन की स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार लाए जाने के साथ ही रोजगार –सृजन का भी महत्वपूर्ण कार्य करता है। पर्यटन और स्थानीय कर प्राप्तियों के रुप में अर्थव्यवस्था को जो लाभ होता है, उसमें सामाजिक निर्धनता उन्मूलन, शिक्षा ,स्वास्थ्य, सेवा ,आवास, पेयजल , तथा स्वच्छता, मनोरंजन के अनेक अवसरों आदि आधारभूत सेवाओं की व्यवस्थाओं को वास्तविकता में साकार किया जा सकता है। यहीं नही सामाजिक असमानताओं को दूर करने की दृष्टि से भी पर्यटन सकारात्मक प्रभाव डालता है। पयटन पर्यावरण की गुणवत्ता बढाने , अधिक रोजगार सृजन करने के लिए प्रोत्साहन देता है। साथ ही साथ अर्थव्यवस्था के विकास को भी अभिप्रेरित करता है।

साहित्य पुनरावलोकन

साहित्य पुनरावलोकन में शोध पत्रों ,पुस्तकों एवं रिपोर्टों का अध्ययन किया गया हैं।

मिश्रा और ओझा (2014) "रोल ऑफ टूरिज्म इन इकोनॉमिकल डेवलपमेंट" इस शोध पत्र में भारत के विकास में पर्यटन उघोगों की भूमिका की जांच की है। दुनिया के अन्य देशों के साथ भारतीय पर्यटन उघोगों की तुलना की है। भारत का प्रर्दशन दुनिया के प्रमुख पर्यटन बाजारों के प्रदर्शन में काफी नीचे पाया गया है।

* शोधार्थी, वाणिज्य अध्ययन शाला, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, मध्यप्रदेश।

यहॉ तक की कई छोटी कम विकसित अर्थवस्थाओं के पर्यटन उघोगों भारतीय पर्यटन उघोगों की तुलना में बहतर प्रदर्शन किया है। लेखक ने विपणन प्रयासों को तेज करने ओर भारतीय पर्यटन उघोगों में विकास की बाधाओं को दूर करने की एक मजबूत आवश्यकता महसूस की है।

विजयनंद एस (2012) "प्रारब्लम्स एण्ड प्रोस्पेक्टस ऑफ टूरिज्म इन आंध्रप्रदेश ऐ केस स्टडी ऑफ चित्तूर डिस्ट्रिक्ट" प्रस्तुत शोध पत्र में आंध्र पदेश में पर्यटन उघोगों की समस्याओं और संभावनाओं का अध्ययन किया है। अध्ययन में स्पष्ट रुप से उपलब्धता, गुणवत्ता और विभिन्न प्रकार के आवास, भोजन और परिवहन से संबंधित सुविधाओं और कई अन्य प्रकार के संबंध सेवाओं के संदर्भ में मांग और आपूर्ती के बीच की खाई को खोजना है।

उद्देश्य

- मध्य प्रदेश में पर्यटन उघोगों की वर्तमान स्थिति का अध्ययन करना।
- मध्य प्रदेश मे पर्यटन उघोगों के आर्थिक प्रभावों का मूल्यांकन करना।
- मध्य प्रदेश मे पर्यटन उघोगों के विकास के लिए बुनियादी ढॉचे की आवश्यकता का अध्ययन करना।
- मध्य प्रदेश मे पर्यटन उघोगों के विकास के लिए सरकारी नीतियों और कार्यक्रमों का मूल्यांकन करना।
- मध्य प्रदेश मे पर्यटन उघोगों के भविष्य की संभावनाओं एवं चुनौतियों का अध्ययन करना।

परिकल्पना

- मध्य प्रदेश मे पर्यटन उघोग राज्य के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान करता है।
- पर्यटन उघोग स्थानीय समुदाय के विकास में सहयोग करता हैं।
- पर्यटन उघोगों के विकास के लिए बुनियादी ढॉचे की आवश्यकता है।
- सरकारी नीति और कार्यक्रमों का पर्यटन उघोगों के विकास का सकारात्मक प्रभाव पडता है।
- मध्य प्रदेश मे पर्यटन उघोग के विकास में सांस्कृतिक विरासत और पर्यावरण संरक्षण महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

शोध प्रविधि

प्रस्तुत शोध कार्य के लिए प्राथमिक एवं द्वितीय समंकों का प्रयोग किया गया है, प्राप्त किये गये समंकों का वर्गीकरण, सारणीयण एवं विश्लेषण द्वारा निष्कर्ष निकाला गया है।

प्राथमिक समंक

प्राथमिक समंकों को साक्षात्कार, प्रश्नावली अनुसूची व क्षेत्र अध्ययन द्वारा समंक प्राप्त किये गये है।

द्वितीय समंक

अध्ययन में आवश्यकतानुसार द्वितीय समंकों का प्रयोग किया गया है द्वितीय समंकों को एकत्रित करने के लिए पुस्तकों, समाचार पत्रों, साप्ताहिक पत्रिकाएं, जनरर्ल तथा इंटरनेट का प्रयोग किया गया है।

विषय विश्षेलण

मध्य प्रदेश भारत में प्रमुख पर्यटन स्थल के रुप में उभरा है, जहॉ 2023 में रिकार्ड तोड. 11. 21 करोड पर्यटकों का आगमन हुआ, जो कोविड पूर्व स्तर को पार गया। यह उल्लेखनी वृद्धि बुनियादी ढॉचे में महत्वपूर्ण निवेश और धार्मिक पर्यटन को बढावा देने से प्रेरित है। राज्य में राजसी खजुराहों मंदिर से लेकर जो अपनी उत्कृष्ट कामुक मूतियों के लिए प्रसिद्ध है, भेडाघाट की शांत संगमरमर की चटटानों और सतपुडा रेंज में एक हिल स्टेशन, सुरम्य पचमढी तक, विविध आर्कषण है। मध्य प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत ऐतिहासिक

शहरों उज्जैन, ग्वालियर और इंदौर में प्रदर्शित की जाती है, जिनमें से प्रत्येक में अपने स्वयं के अनूठे वास्तुशिल्प चमत्कार और जीवंत बाजार है। राज्य के वन्यजीव अभ्यारण, जैसे कान्हा और बांधवगढ राष्ट्रीय उघान बाघों की समृद्ध आबादी का घर है, जो प्रकृति प्रमियों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करते है।

मौजूदा कीमतों पर मध्य प्रदेश का सकल राज्य घरेलू उत्पाद 2023–24 में 13.87 ट्रिलियन होने का अनुमान है, जो राज्य की उल्लेखनीय आर्थिक वृद्धि को दर्शाता है। 2015.16 से 2023.24 तक GSDP 12.49 की CAGR से बढा, जो राज्य के मजबूत आर्थिक प्रदर्शन को दर्शाता है। मध्य प्रदेश का निर्यात भी ऊपर की और बढ रहा है, वित वर्ष 24 में कपास धागे का निर्यात 982.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुॅच गया जो राज्य की विनिर्माण क्षमता को दर्शाता है। राज्य की रणनीतिक स्थिति और अच्छी तरह से विकसित बुनियादी ढॉचे ने इसे घरेलू और अंतराष्ट्रीय निवेशकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बना दिया जिससे इसके आर्थिक विकास को और बढावा मिला है।

कृषि क्षेत्र मध्य प्रदेश की अर्थव्यवस्था का आधार बना हुआ है जो राज्य के सकल राज्य घरेलू उत्पाद में 47ः के साथ सबसे बडा हिस्सा है इसके बाद सेवा क्षेत्र 34ः और विनिर्माण क्षेत्र 19ः के साथ दूसरे स्थान पर है। कृषि आधारित विकास पर राज्य के फोकस ने लाभ दिया है वित वर्ष 24 में कृषि निर्यात 285.34 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुॅच गया है। मध्य प्रदेश गेहूँ, सोयाबीन और दालों सहित विभिन्न फसलों का एक प्रमुख उत्पादक है और कपास तिलहन जैसी नकदी फसलों के उत्पाउन में इसकी मजबूत उपस्थिति है। राज्य की सिंचाई सुविधाओं के व्यापक नेटवर्क इसकी उपजाऊ भूमि और अनुकूल जलवायु परिस्थितियों ने कृषि क्षेत्र के विकास और लचीलेपन में योगदान दिया है जिससे मध्य प्रदेश भारत की खाघ सुरक्षा में एक प्रमुख खिलाडी बन गया है।

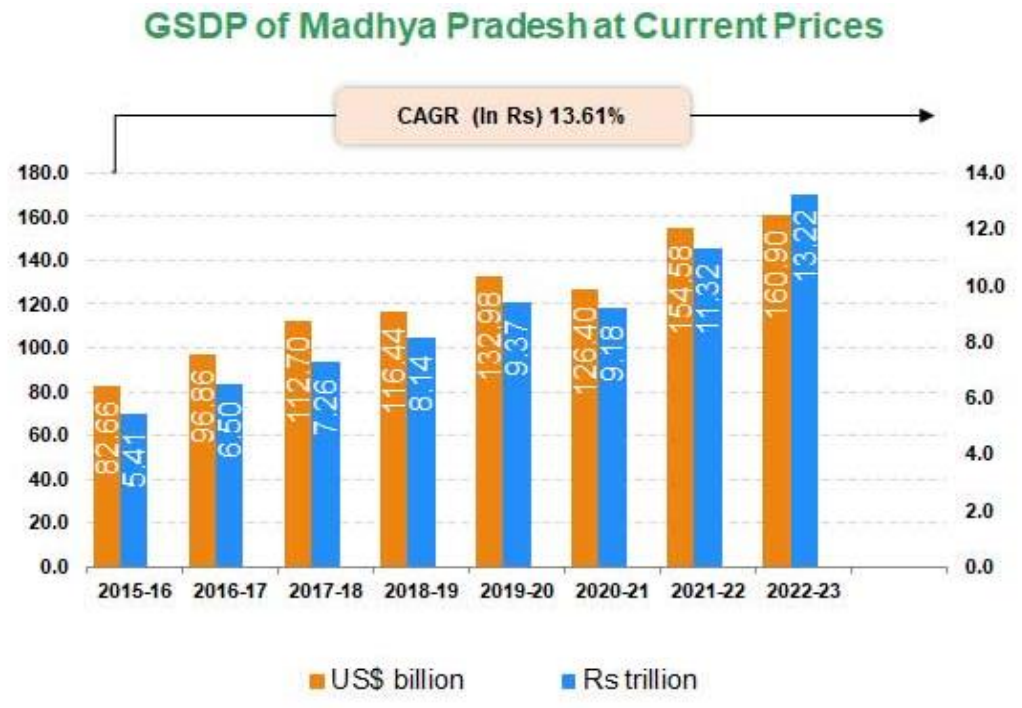

Note: Exchange rates used are averages of each year BE- Budget Estimate
Source: MOSPI

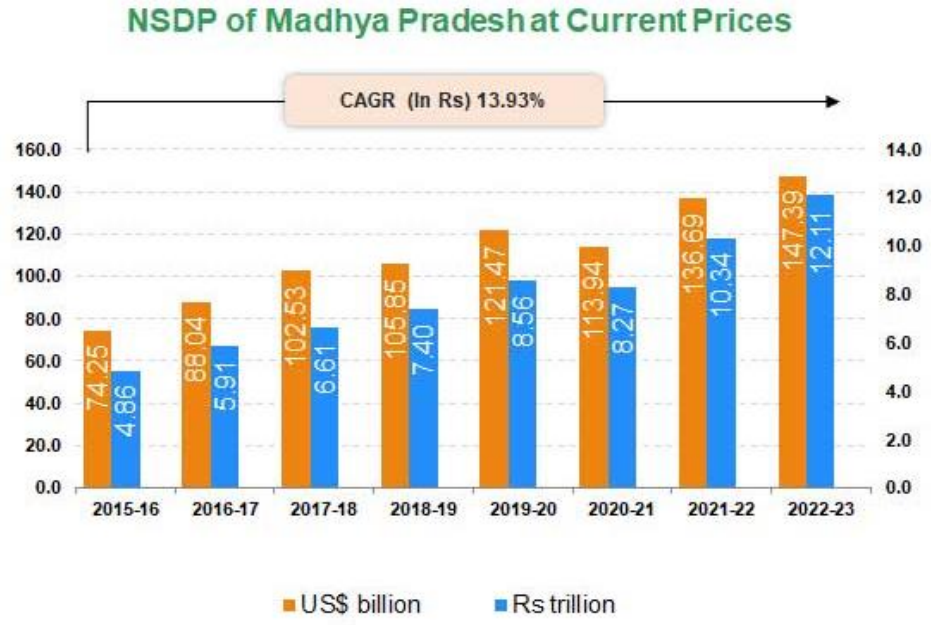

Note: Exchange rates used are averages of each year
Source: MOSPI

संभावनाएं एवं चुनौतियां

राज्य में पर्यटन की अपार सम्भावनाएं है परन्तु दुर्भाग्यवश इन सम्भावनाओं का पूरा– पूरा दोहन नहीं हो पाया है। हमारा राज्य बहु धार्मिक और बहुसांस्कृतिक राज्य है, यहां पर्यटन स्थ्लों की भी भरमार है परन्तु दुनिया भर के पर्यटन व्यवसाय में से राज्य का हिस्सा नगण्य ही कहा जा सकता है। थाइलैण्ड जैसा छोटा सा एशियाई देश हमारी तुलना में कई गुणा अधिक पर्यटकों का आकर्षित कर पाने में सक्षम हैं। पर्यटन की दृष्टि से हमारे पिछडापन के कई कारण है जिसमें से प्रमुख कारण है पर्यटकों को आकर्षित करने वाली सुविधाओं का अभव। राज्य में सुद्रढ आधारभूत ढांचे का न होना, अत्यधिक भीड भाड, सर्वत्र गंदगी, विदेशी पर्यटकों को राज्य में आने से हतोत्साहित करती है। हमारी ख्स्ताहाल सडकें, ट्रेनों में शीघ्र आरक्षण न मिलना, बिजली, पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं की कमी आदि पर्यटन पर नकारात्मक प्रभाव डालती है दूसरी और कश्मीर, आसाम तथा अन्य उत्तरपूर्वी राज्यों में व्याप्त हिंसा देश के लिए नुकसान देह सिद्ध हो रही है।

देश में एतिहासिक स्थल तो बहुत है परन्तु आस– पास का क्षेत्र प्रदूषण और गंदगी की चपेट में है। देश की राजधानी दिल्ली को ही ले, लाल किले तथा मस्जिद का क्षेत्र बाजार और संकीर्ण गलियों के कारण आकर्षक एवं आलौकिक इमारत ताजमहल की भी घोर उपेक्षा की गई है। आगरा शहर देश के सर्वाधिक गंदे शहरों में से एक है। तो हम कैसे उम्मीद कर सकते है कि देश का पर्यटन व्यवस्था दिन – दूनी रात चौगनी उन्नति करें। राज्य पर्यटन उघोग को विकसित करने में एक बडी बाधा जो वर्तमान में दिखाई दे रही है। वह है आतंकवाद भारत के सभी प्रमुख स्थानों में अपनी जडे जमा चुका है। कश्मीर में पर्यटन उघोग आतंक के साये में दम तोड चुका है, जबकि इस स्थान को धरती का स्वर्ग के नाम से सम्बोधित किया जाता है। यहां का अदभुत प्राकृतिक सौंदर्य बंदूकों के शोर में पर्यटकों की नजरों से औझल होता जा रहा है। दूसरी ओर देश के विभिन्न हिस्सों में उग्रवाद की समस्या व्याप्त है। जिसके कारण राज्यों की कानून और व्यवस्था की स्थिति लडखडा गई है। विदेशी पर्यटकों का अपहरण उनके साथ ठगी, दुर्व्यवहार आदि घटनाओं में वृद्धि हो रही है। इन स्थितियों के कारण भी भारत की छवि दुनिया में धूमिल हो रही है। पर्यटन विकास में बाधक इन तत्वों को दूर करने के लिए हमें त्वरित उपाय करने होगे, साथ– साथ दीर्घकालिक रणनीति भी अपनानी होगी।

पर्यटन के क्षेत्र में सुधार के उपाय

देश के पर्यटन को समुचित बढावा हो तो हमें इसके लिए ठोस उपाय करने होंगे। पर्यटन स्थ्लों को साफ– सुथरा रखना, पर्यटन स्थलों तक पहुँच को सुगम एवं आकर्षक बनाना, लोगों के निवास एवं आदि की उत्तम व्यवस्था करना, पर्यटन स्थलों को मनोरंजन से भरपूर बनाना, सडक एवं संचार व्यवस्था को चुस्त दुरुस्त रखना, लोगों को आकर्षित करने के लिए प्रचार करना आदि कुछ ऐसे उपाय है जिन्हे करके देश के पर्यटन उघोगों को विकसित किया जा सकता है। इसके साथ ही पर्यटन क्षेत्र में निजी उघमियो को निवेश के लिए प्रोत्साहित करने की जरुरत है, क्यों कि केवल सरकारी प्रयास कारगर नहीं हो सकते है। सरकारी योजनाओं को बनाने तथा क्रियान्वित करने में भ्रष्टाचार आदि कई कारण से लम्बा समय लग जाता है जो पर्यटन उघोग की वृद्धि को रोक देता है।

वर्तमान समय में यह शुभ लक्षण है कि अब सरकार वस्तु स्थिति को समझकर हर क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी को सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाए तो अगले पाँच वर्षों में ही भारत में पर्यटन व्यवसाय के विकसित होने से देश को वेशकीमती विदेशी मुद्रा की प्राप्ति होगी तथा भुगतान संतुलन की स्थिति को सुधारने में बहुत मदद मिलेगी आज दुनिया में कई देश है जहां की अर्थव्यवस्था में पर्यटन वयवसाय का अंशदान काफी बडा है। सुनियोजित तरीके से हम भी अपना लक्ष्य हासिल कर सकते है।

निष्कर्ष

पर्यटन की सफलता सुविधाओं पर निर्भर करती है, साथ ही जनता का योगदान भी उतना ही महत्वपूर्ण है। जनता का आथित्य और शिष्टता भी पर्यटेकों को आकर्षित करती है। पर्यटन आदिकाल से ही मनुष्यों का स्वभाव रहा है। परन्तु मध्यकाल में काफी बदलाव आ गया भारतीय लोगों में यह भ्रांत धारणा उत्पन्न हो गई थी कि समुद्र लॉघकर की गई यात्रा से धर्म भ्रष्ट हो जाता है। आधुनिक युग में पर्यटन संबंधी सभी भ्रांतियां समाप्त होने तथा आवागमन के साधनों के क्षेत्र में आए भारी बदलावों के रुप में प्रतिष्ठित हो चुका है। विभिन्न देशो के लोग दुनिया के अन्य देशों में जाकर वहां की सभ्यता और संस्कृति को निकट से देखने समझने का प्रयास करते है। अनेक लोग देश के प्रमुख स्थलों की यात्रा कर देश के पर्यटन उघोग को समुन्नत बनाने में योगदान देते है। आधुनिक युग में पर्यटन को एक व्यवसाय का रुप देने में लोगों की बढती आर्थिक समृद्धि का भी बहुत बडा योगदान रहा है।

संदर्भ सूची

1. पाण्डेय, आनंद कुमार (2008), म.प्र. के प्रमुख पर्यटन स्थल म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, नई दिल्ली।
2. नेगी, जगमोहन, (2011), पर्यटन मार्केटिंग एवं विकास, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. संजय कुमार (2012), पर्यटन एवं पर्यटन उत्पाद, तक्षशिला प्रकाशन नई दिल्ली।
4. शर्मा, प्रेमधर (2012), इंटरनेशनल टूरिज्म, कनिष्क पब्लिकेशन नई दिल्ली।
5. रोमांच भरा भारत – इंडिया टुडे
6. भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश – पत्रिका
7. Ijayanand s, (2012) 'socio-economic impacts in pilgimage tourism' international journal of multidisciplinary research (IJMR), Ol-2, Issue-1
8. Syamala g and kakoti shivam (2016) 'a study on religious tourism- potential and posibilitities with reference to
9. shirdiah aplace of religious tourism', online international interdisiciplinary resarch journal (oiirj), issn 2249- 9598,volue-6,issue-3,2016
10. Chattopadhyaya, monisha (2016), 'religious tourismah an introduction," religion and tourism-perspective,' the icfai university press, hyderabad, pdf file,

11. Chawla chanchal,jha radhey shyam,(2019) ‘ avenues & problems of tourism in uttar pradesh’, research gate
12. Ahamad sahab, joseph s t and brako Prince (2019) ‘a comprehensive study on religious tourism in up’ ,
13. impactahinternational journal of research in huminities, arts and literature (impactahijrhal), issn 2347-4564, ol-7, Issue-4, April 2019
14. Mukherji Subhadeep, Singh seema and das ashim (2019) ‘spiritual tourism at benarus- the heart of spiritual india’, review of research, vol-8, Issue-5
15. Adav, Seema (nov 2021) “an analysis of attractions inventory in prayagraj districts” department of Economics, University of allahabad
16. Mohan rajiv (2021) ‘acase study of ecotourism regions of up’, ijcrt
17. www.tourisiminindia.com
18. 19.www.mptourism.com